A–0307

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DMA 103

DIPLOMA IN MEDICAL ASTROLOGY (DMA)

ज्योतिष शास्त्र में विविध व्याधि योग

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कालपुरुष का रोगों से सम्बन्ध की व्याख्या कीजिये।
2. कर्ण एवं नासिका सम्बन्धित रोगों का ज्योतिषीय विवेचन करें।
3. अस्थि एवं स्नायु रोगों का ज्योतिषीय विश्लेषण कीजिये।
4. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हृदय एवं उदरजनित रोगों का वर्णन कीजिये।
5. पठित ग्रन्थानुसार ज्योतिष एवं रोग पर निबन्ध लिखिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. दन्त रोग की ज्योतिषीय व्याख्या कीजिये।
2. वस्ति रोग से क्या तात्पर्य है ? ज्योतिषीय पक्ष का लेखन करें।
3. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चर्म रोग का विश्लेषण करें।
4. जानु एवं पाद रोग का उल्लेख कीजिये।
5. बाल रोग की ज्योतिषीय व्याख्या करें।
6. कालपुरुष की अवधारणा का विवेचन करें।
7. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार रोगों का विचार कैसे किया जाता है ?
8. स्नायु संबंधित रोगों का सप्रमाण वर्णन करें।

****